जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल **क्रमांक 103**
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी **दिनांक 28.06.2022**

कृषि शिक्षा में तकनीकी व कौशल का सर्वोत्तम उपयोग आवश्यक
कृषि शिक्षण कौशल में सुधार हेतू कार्यशाला आयोजित

जबलपुर 28 जून। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन की सद्प्रेरणा व डॉ. धीरेन्द्र खरे अधिष्ठाता कृषि संकाय के मार्गदर्शन में कृषि महाविद्यालय जबलपुर के अधिष्ठाता डॉ. शरद तिवारी के निर्देश पर कृषि महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में ''कृषि शिक्षण कौशल में बेहतर सुधार'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में शिक्षण कौशल को बेहतर बनाने के साथ ही सुधार हेतू अधिष्ठाता डॉ. शरद तिवारी द्वारा पॉवर प्वॉइंट प्रदर्शन के माध्यम से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि सैद्धांतिक व्यावहारिक शिक्षण की उपयोगिता गुणवत्ता, प्रक्टिकल परीक्षा, मिडटर्म परीक्षा एवं फाइनल थ्योरी परीक्षा में किन बातों का ध्यान रखे, कक्षा में पढ़ाने के दारान किन बिंदुओं का ध्यान रखना आवश्यक ह, विद्यार्थियों की उपस्थिति, पंजीयन कौशल उन्नयन, कक्षा में छात्र व शिक्षक के बीच बेहतर तालमेल कैसे हो। वर्तमान में नई शिक्षण तकनीकी के साथ नवीन तरीकों एवं शिक्षण को लाना आवश्यक हैं। कार्यशाला में समस्त विभागाध्यक्ष डॉ. पी.वी. शर्मा, डॉ. एन. पी. मित्रा, डॉ. ए. के. सरावगी, डॉ. दीपक जायसवाल, डॉ. आर. एस. शुक्ला, डॉ. एस.बी. दास, डॉ. जयंत भट्ट, डॉ. एस. एस. शुक्ला के आलावा बड़ी संख्या में वैज्ञानिक व शिक्षकों की उपस्थिति रही।

कार्यशाला में समस्त शिक्षकों ने शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार हेतू अति महत्वपूर्ण सुझाव दिये जैसे– कृषि शिक्षण कौशल में सुधार हेतू शिक्षण में डिजिलीकरण व तकनीकी का सर्वोत्तम उपयोग कैसे करें। सूक्ष्म शिक्षण कौशल व नवाचार, अपडेटिंग के तरीके, अवलोकन, संवाद कौशल क्षमता में एवं प्रस्तुतिकरण विषय के अलावा सकारात्मक सीखने का माहौल तैयार करना, ताकि शिक्षण कार्यो को अधिक प्रभावी और आकर्षक बनाने के लिए कार्य करें। कार्यशाला का संचालन व आभार प्रदर्शन डॉ. अमित झा द्वारा किया गया।